जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

29 फरवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

सीटीपी, जामिया ने आकर्षक कार्यक्रम के साथ मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र (सीटीपी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 28 फरवरी को एक वाइब्रेंट कार्यक्रम के साथ गर्व से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया, जिसमें वैज्ञानिक समुदाय के जाने-माने सदस्यों ने भाग लिया। सीटीपी सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों, पीएचडी स्कॉलर्स और एमएससी छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई। सीटीपी, जेएमआई ने इस वर्ष इस अवसर पर ज्ञानवर्धक वार्ता और आकर्षक चर्चाओं का आयोजन किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वैज्ञानिकों और उत्साही लोगों के दिलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है क्योंकि यह सर सी.वी. रमन की खोज का प्रतीक है। 1928 में आज ही के दिन- रमन प्रभाव- एक अभूतपूर्व उपलब्धि थी जिसने भौतिकी के क्षेत्र में क्रांति ला दी और भारत को विज्ञान में पहला नोबेल पुरस्कार दिलाया। इस खोज ने न केवल भारतीय विज्ञान को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाई बल्कि वैश्विक स्तर पर भौतिकी की उन्नति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर भी साबित हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत सीटीपी के निदेशक प्रो. घोष के परिचयात्मक भाषण के साथ हुई, जिन्होंने इस दिन के महत्व पर जोर दिया और निम्नलिखित ज्ञानवर्धक सत्रों के लिए रूपरेखा तय की। उन्होंने उल्लेख किया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और जनता के बीच जिज्ञासा, पूछताछ और आलोचनात्मक सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण है। यह जनता, विशेषकर युवाओं के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करता है और उन्हें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) में करियर बनाने के लिए प्रेरित करता है। वैज्ञानिक अन्वेषण और खोज के प्रति जुनून जगाकर, हम नवप्रवर्तकों और समस्या समाधानकर्ताओं की अगली पीढ़ी तैयार कर सकते हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे।

कार्यक्रम में विविध विषयों को शामिल किया गया, जिससे उपस्थित लोगों को खगोल भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान में हाल की प्रगति की व्यापक समझ प्रदान की गई। कार्यक्रम के एजेंडे में शामिल हैं:

खगोल भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान में हाल के विषयों की खोज करने वाले पोस्टर प्रदर्शित: औपचारिक सत्रों से पहले, उपस्थित लोगों को वरिष्ठ सीटीपी पीएचडी विद्वानों के अत्याधुनिक अनुसंधान अंतर्दृष्टि प्रदर्शित करने वाले पोस्टर का पता लगाने का अवसर मिला। दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक आयोजित इस इंटरैक्टिव सत्र ने वैज्ञानिक अन्वेषण की प्रगति की एक झलक पेश की।

प्राइमर्डियल ब्लैक होल्स (पीबीएच) और गुरुत्वाकर्षण तरंगों (जीडब्ल्यू) पर डॉ. मयूख राज गंगोपाध्याय की बातचीत: सीसीएसपी, एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. मयूख

राज गंगोपाध्याय ने प्राइमर्डियल ब्लैक होल्स के गहन प्रभावों की खोज करते हुए एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया और नवजात ब्रह्मांड को समझने में गुरुत्वाकर्षण तरंगें। अपराह्न 3:00 बजे से 4:00 बजे तक आयोजित उनके सत्र ने अपनी गहराई और प्रासंगिकता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डार्क यूनिवर्स की कहानी पर प्रोफेसर अंजन ए सेन की बातचीत: एक विचारोत्तेजक नोट पर कार्यक्रम का समापन करते हुए, सीटीपी, जेएमआई के प्रोफेसर अंजन ए सेन ने डार्क यूनिवर्स के रहस्यमय क्षेत्र में गहराई से प्रवेश किया। डार्क मैटर से लेकर डार्क एनर्जी तक, शाम 4:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक की उनकी प्रस्तुति उन रहस्यों पर प्रकाश डालती है जो दुनिया भर के वैज्ञानिकों के लिए जिज्ञासा और प्रेरणा बने हुए हैं।

सीटीपी, जेएमआई में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह वैज्ञानिक जांच को बढ़ावा देने और अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण था। इस कार्यक्रम ने जिज्ञासा और अन्वेषण की भावना को समाहित किया जो प्रतिष्ठित वक्ताओं और उत्साही उत्साही लोगों को एक साथ लाकर वैज्ञानिक प्रयास को परिभाषित करता है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया